दिल्ली पुलिस समाचार

अंक-131 नवम्बर-दिसम्बर, 2019 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका









हमारा प्रयास : स्वच्छ एवं सुरक्षित दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने आधुनिक तकनीक को आत्मसात करने, बड़ी–बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करने तथा आम जनता का विश्वास अर्जित करने की दिशा में उच्च मापदंड स्थापित किये हैं:

श्री अमूल्य पटनायक, पुलिस आयुक्त



साथियों, सर्वप्रथम आपको एवं आपके परिजनों को नववर्ष 2020 की हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर से मेरी यह प्रार्थना है कि आप सदैव स्वस्थ, प्रसन्नचित व अनुशासित जीवनयापन करते हुए दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा के अपने प्रमुख दायित्व को निभाने में कामयाब हों।

पिछले कुछ वर्षो में दिल्ली पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों में कई बड़ी उपलब्धियाँ और सफलताएँ अर्जित की हैं। ये सफलताएँ चाहे वह दिल्ली के सभी थानों के मालखानों को डिज़िटलाईज्ड करना हो, दिल्ली पुलिस द्वारा जनहित में जारी की गई विभिन्न वेबसाइट्स एवं वेबएप्स का लॉंच हो, ई एफआईआर दर्ज करने की सुविधा मुहैया करना हो, पुलिस कार्यशैली में अधिकतम नई तकनीक को आत्मसात् करना हो, महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम करना हो, युवाओं के कल्याण से जुड़ी योजनाओं पर काम करना हो, नए पुलिस मुख्यालय सहित थानों की नई बिल्डिंग और स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण हो, समय समय पर शीर्षस्थ नेतृत्व का मार्गदर्शन एवं सानिध्य प्राप्त करना हो, डिज़िटल इंडिया व साइबर तकनीक पर काम करना हो, माननीय प्रधानमंत्री की कौशल विकास योजना पर काम करना हो या फिर दिल्ली पुलिस द्वारा जनहित में शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ हो, आम जनता को सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के प्रति विज्ञापनों के माध्यम से जागरूक करना हो या फिर पदोन्नति हो, बारी से पहले तरक्की की बात हो, उत्कृष्ट पुलिस टीमों तथा सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबलों को प्रोत्साहित करना हो, मैं कह सकता हूँ कि अधिकतर ये वही कदम है जिनकी मदद से दिल्ली पुलिस सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करने, आम जनता का विश्वास अर्जित करने में और एक जनप्रिय पुलिस की छवि बनाने में कामयाब हुई है।

9 नवम्बर, 2019 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्षो से लंबित अयोध्या मसले पर लिये गये ऐतिहासिक निर्णय के बाद सम्पूर्ण देश में विभिन्न प्रकार की शंकाओं को लेकर संशय की जो स्थिति बनी थी, उससे राजधानी दिल्ली भी अछूती नहीं थी। बल्कि मैं तो यह कहूँगा कि पुख्ता सुरक्षा–व्यवस्था को लेकर राजधानी दिल्ली सर्वाधिक संवेदनशील थी। परन्तु इसके साथ ही, मुझे इस बात की खुशी है कि उस ऐतिहासिक निर्णय की पूर्व संध्या पर यानि 8 नवम्बर को ही पूरी दिल्ली में चाक–चौबंद सुरक्षा प्रबंधों की रणनीति पर आप सबने दृढ़ता के साथ सफलतापूर्वक काम किया। जिसके सकारात्मक परिणाम हम सबके सामने आये। निर्णय वाली रात्रि को सभी जिलों के उपायुक्त पुलिस, संयुक्त पुलिस आयुक्त और विशेष पुलिस आयुक्त ने संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया जिनके साथ मैने स्वयं भी देर रात तक जामा मस्जिद, चावड़ी बाजार, नई सड़क, चांदनी चौक सहित कई और संवेदनशील क्षेत्रों में आपको मुस्तैद देखा। उस दिन हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अफवाहों को रोकने की थी और सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखना था। एहतियातन कदम लेते हुए हमने समय रहते एडवाइजरी जारी की व विभिन्न क्षेत्रों में गठित अमन कमेटियों की मदद से कानून व्यवस्था तथा आपसी सौहार्द कायम रखने में कामयाब हुए। हालांकि इसके साथ ही मैं अपने मुस्तैद जवानों, अधिकारियों, पैरा मिलिट्री फोर्स के जवानों के साथ–साथ समाज के गणमान्य नागरिकों, विशेषकर दोनों समुदायों के धर्मगुरूओं को भी बधाई देना चाहूँगा जिन्होंने इस मौके पर पुलिस का सहयोग किया। जिसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण दिल्ली में कहीं भी कोई अप्रिय वारदात नहीं हुई। इसी बीच पैगबंर मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के सुरक्षा प्रबंधों ने भी हमारी चुनौती को और कड़ा कर दिया था। ऐसा महसूस किया गया है कि किन्हीं भी परिस्थितियों में समाज के लोग अमन चैन पसंद करते है, परन्तु समाज में छिपे कुछ चंद शरारती या असामाजिक तत्व ही साम्प्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की मंशा रखते है। यदि समय रहते ऐसे तत्वों पर कड़ी निगरानी और उचित कार्यवाही अमल में लायी जाए तो निःसंदेह समाज में परस्पर मैत्री का भाव बना रहता है और पुलिस अपने दायित्व के निर्वहन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने में सफल होती है।

साथियों, पिछले कुछ समय से दिल्ली में उत्पन्न स्थिति से निपटने, कानून–व्यवस्था बनाए रखने और सुचारू यातायात संचालित करने में आप सभी भीषण सर्द मौसम में निरंतर लम्बी डयूटी करते आ रहे हैं। उसके लिए आप सभी प्रशंसा के पात्र हैं। इसके साथ ही आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के सुरक्षा प्रबंध करने और दिल्ली के विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने की नई चुनौतियाँ भी आपके सामने आ रही हैं। यह कहते हुए मुझे गर्व की अनुभूति होती है कि दिल्ली पुलिस के अधिकारी एवं कर्मी अपने जज्बे, पेशेवर कुशलता और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर हर चुनौती पूर्ण हालात से निपटने में सक्षम हैं। गणतंत्र दिवस पर जहां हमें सम्पूर्ण दिल्ली में मज़बूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखनी होती है वहीं विशिष्ट और अतिविशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी ध्यान केन्द्रित करना होता है। दिल्ली के विधानसभा 2020 चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराना भी दिल्ली पुलिस को परीक्षा की कसौटी पर खरा उतरने जैसा है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुलिस को चुनाव आचार संहिता के पालन का विशेष ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही पुलिस को न केवल आतंरिक व बाह्य असामाजिक तत्वों से निपटना है बल्कि अनियंत्रित भीड़, विरोध प्रदर्शन, आतंकवादी घटना, धार्मिक उन्माद दंगा–फसाद जैसी संभावनाओं पर भी काम करना है। मुझे पूर्व की भांति पूर्ण आशा है कि आप अपनी मुस्तैदी, कर्तव्य के प्रति अपनी कटिबद्धता और कारगर योजनाओं के दम पर इन चुनौतियों से निपटने में जरूर कामयाब होंगे।

साथियों, आपको जानकर हर्ष होगा कि वर्ष 2019 के दौरान लगभग पाँच हजार पुलिसकर्मियों को पदोन्नत किया गया जिनमें 81 महिला पुलिसकर्मी भी शामिल है। इसके साथ ही वीरता एवं उत्कृष्ट कार्यो को अंजाम देने वाले 78 जांबाज़ पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की तथा 62 पुलिसकर्मियों को असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। इसी वर्ष शुरू किये गये पुलिस आयुक्त के कमेंडेशन डिस्क अवॉर्ड से भी 75 पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों को सम्मानित किया गया है। जिनमें 50 अधिकारी एवं कर्मी सिल्वर कमेंडेशन डिस्क अवार्ड तथा 25 अधिकारी एवं कर्मी गोल्ड कमेंडेशन डिस्क अवार्ड से सम्मानित हुए। प्रशासनिक स्तर पर भी एक अहम् फैसला लेते हुए 209 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल किया गया।

अंत में, मैं एक बार पुनः आप सबको नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और कामना करता हूँ कि देश का यह श्रेष्ठ पुलिस बल सफलता और प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित करें। मुझे पूरी आशा है कि दिल्ली पुलिस परिवार अपनी कर्मठता, निष्ठा व पेशवेर निपुणता के दम पर दिल्लीवासियों के दिलों में अपना विशेष स्थान बनाए रखने में कामयाब रहेगा और देश के श्रेष्ठतम पुलिस बलों में अग्रगण्य रहकर निरंतर अपना परचम लहराता रहेगा।

दूरसंचार मंत्रालय द्वारा खोए या चोरी हुए मोबाइल का पता लगाने वाले पोर्टल का अनावरण





खोए और चोरी मोबाइल को बंद करवाने और उसका पता लगाने वाले वेब पोर्टल को लाँच करते हुए संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद

30 दिसम्बर, 2019 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक समारोह में संचार एवं **सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद** के द्वारा एक ऐसे पोर्टल की शुरूआत की गई जिसके जरिये खोए या चोरी हुए मोबाइल का पता लगाया जा सकेगा। इस सुविधा के पायलट प्रोजेक्ट की शुरूआत माह सितम्बर में मुंबई में की गई थी। पोर्टल ceir.gov.in (सेंट्रल इक्विपमेंट आईडेंटिटी रजिस्टर) का लाभ लेने के लिए सबसे पहले पुलिस रिपोर्ट लिखाकर खोए या चोरी हुए नम्बर को ब्लॉक करना होगा। एफआईआर की प्रति व आई.डी.प्रूफ के साथ नए सिम कार्ड के लिए आवेदन कराना होगा। उसके बाद www.ceir.gov.in साइट पर जाकर पहचान पत्र व एफआईआर की प्रति अपलोड करनी होगी। जिससे डी.ओ.टी आपके नम्बर और आईएमईआई को ब्लॉक कर देगा। पोर्टल पर गुमशुदा मोबाइल फोन की स्थिति पर नज़र रखी जा सकेगी और मोबाइल फोन मिलने की स्थिति में आईएमईआई को अनब्लॉक किया जा सकेगा। **''सीईआईआर''** में सभी मोबाइल ऑपरेटर अपने नेटवर्क पर ब्लॉक मोबाइल सेट्स का डाटा साझा करते है ताकि वह मोबाइल फोन दूसरे नेटवर्क पर भी काम न कर सके। ऐसे में ,खोया या चोरी हुआ मोबाइल फोन सिम कार्ड बदलने के बाद भी काम नहीं करेगा और फोन के मिलने और चोर के पकड़े जाने की संभावना भी बढ़ जाएगी। इस मौके पर **मुख्य अतिथि केन्द्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद**, के साथ–साथ **उपराज्यपाल श्री अनिल बैज़ल, सचिव (संचार) श्री अंशु प्रकाश, पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, तकनीकी सदस्य (संचार) श्री एस.के.गुप्ता** सहित भारी संख्या में दूरसंचार मंत्रालय एवं टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

दक्षिणी जिला में स्वच्छता पखवाड़ा समापन के मौके पर ''स्वच्छता ही सेवा सम्मान समारोह'' आयोजित



स्वच्छता संबंधी चित्रों का अवलोकन करते हुए उपराज्यपाल एवं वरिष्ठ अधिकारी



स्वच्छता पखवाड़ा प्रतियोगिता में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाली युवती को सम्मानित करते हुए उपराज्यपाल

15 दिसम्बर, 2019 को दक्षिणी जिला पुलिस ने जवाहर लाल स्टेडियम वेटलिफ्टिंग ऑडिटोरियम में **''स्वच्छता ही सेवा सम्मान समारोह''** आयोजित किया। इस मौके पर **उपराज्यपाल श्री अनिल बैज़ल** मुख्य अतिथि थे। इसके अलावा **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, गृहमंत्रालय में सीमा प्रबंधन के सचिव श्री एन.एन. सिन्हा, जल शक्ति संसाधान मंत्रालय के सचिव श्री परमेश्वरन अय्यर, अति. सचिव श्री भरत लाल, विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम, उपायुक्त पुलिस श्री अतुल कुमार ठाकुर सहित** क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न आर.डब्लू.ए. के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल ने कहा कि समय की मांग है कि हर किसी को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने और पानी की बर्बादी रोकने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक एवं पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय के सचिव श्री परमेश्वरन अय्यर ने भी अपने सम्बोधन में कहा कि निरंतर स्वच्छ रहने और पानी बचाने की आदत को अपने दैनिक जीवन में शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान ही स्वच्छता ही सेवा पर एक लघु फिल्म दिखाई गई और दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल, एयरफोर्स स्कूल, मदर्स इंटरनेशनल स्कूल के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। प्रसिद्ध गायक मोहन चौहान ने भी अपने गायकी से श्रोताओं का मन मोह लिया। उपायुक्त पुलिस दक्षिणी जिला श्री अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक के दिशा–निर्देश में दक्षिणी जिला ने 1 से 15 दिसम्बर के बीच अपने पूरे जिले में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया था जिसमें सभी पुलिस स्टेशनों, कार्यालयों, पुलिस प्रतिष्ठानों और परिसरों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसी दौरान कालिंदी कुंज यमुना घाट पर चलाया गया प्लॉगिग इवेंट भी आकर्षण का केन्द्र रहा। इस स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान निबंध/चित्रकला प्रतियोगिताएँ, साइकिल रैली, बैनर व पोस्टर और होर्डिंग के माध्यम से लोगों को स्वच्छता संदेश देने का बेहतरीन प्रयास किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपराज्यपाल एवं पुलिस आयुक्त महोदय ने स्वच्छता अभियान के दौरान आयोजित पेंटिंग व स्वच्छता प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया।

पुलिस मुख्यालय में उज़्बेकिस्तान के प्रतिनिधि मंडल की पुलिस आयुक्त से शिष्टाचार भेंट





22 नवम्बर, 2019 को उज़्बेकिस्तान के आतंरिक मामलों के **मंत्री श्री पुलत बोबोजोनोव** के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** से शिष्टाचार भेंट की। इस प्रतिनिधि मंडल में सुरक्षा मामलों से जुड़े अधिकारी शामिल थे तथा इस मौके पर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। उज़्बेकिस्तान शिष्ट मंडल एवं पुलिस अधिकारियों के बीच आतंकवाद, संगठित अपराध एवं मानव तस्करी सहित कई मुद्दों पर परस्पर विचार विमर्श हुआ। बैठक के उपरांत पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक तथा श्री पुलत बोबोज़ोनोव ने यादगार स्वरूप परस्पर स्मृतिचिन्हों का आदान–प्रदान किया।

श्री रजत शर्मा द्वारा परिवार कल्याण कोष में 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद



22 नवम्बर, 2019 को इंडिया टी.वी.के एडिटर इन चीफ श्री रजत शर्मा ने पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक से पुलिस मुख्यालय में शिष्टाचार भेंट की और पुलिस परिवार कल्याण कोष में आर्थिक मदद के तौर पर 10 लाख रुपये का चैक भेंट किया। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने श्री रजत शर्मा के प्रति उनकी पुलिस परिवारों के लिए लगाव व संवेदना हेतु अपना आभार व्यक्त किया और उनके इस कल्याणार्थ कार्य की प्रशंसा की।

26 नवम्बर को संविधान दिवस के मौके पर भारतीय संविधान की मूलभावना के बारे में जागरूकता बनाए रखने के लिए जयसिंह रोड़ स्थित नव-निर्मित पुलिस मुख्यालय के ''विमर्श'' सम्मेलन कक्ष में पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना और मूल सिद्धांतों का उच्चारण किया।



भारत का संविधान

हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

संसद भवन आतंकी हमले के शहीदों को संसद में श्रद्धांजलि

13 दिसम्बर, 2001 को संसद भवन पर हुए आतंकी हमले में लोकतंत्र की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुरक्षाकर्मियों को महामहिम राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व लोकसभा अध्यक्ष सहित सभी पक्ष-विपक्ष के शीर्षस्थ नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। 18 वर्ष पूर्व हुए इस आतंकी हमले में दिल्ली पुलिस के एएसआई नानकचंद, एएसआई रामपाल सिंह, हेडकां घनश्याम, हेडकां0 बिजेन्द्र तथा हेडकां ओमप्रकाश ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। महामहिम राष्ट्रपति ने अपने ट्वीट में कहा ''एक कृतज्ञ देश शहीदों की बहादुरी और उनके साहस को नमन करता है जिन्होंने 2001 में संसद भवन की आतंकवादियों से रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। हम आतंकवाद के हर रूप को खत्म करने और उसे हराने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं''। माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने ट्वीट में लिखा है कि 'आज हम संसद की सुरक्षा करते हुए अपने जीवन का बलिदान देने वाले बहादुर कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हैं, उनका बलिदान कभी नहीं भूला जा सकेगा''।

सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित

22 नवम्बर, 2019 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने विभिन्न परिक्षेत्रों से चयनित किये गये अगस्त माह के 6 सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स को उनके अनुकरणीय योगदान के लिए प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। **अगस्त माह के सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स में शामिल हैं :–कां0 राजू राम यादव (थाना द्वारका नॉर्थ–पश्चिमी परिक्षेत्र–एवं अगस्त माह का दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर), कां0 दिनेश (थाना सदर बाजार– उत्तरी परिक्षेत्र), कां0 विनय (थाना करावल नगर–पूर्वी परिक्षेत्र), कां0 सोनू (थाना भारत नगर–उतरी परिक्षेत्र), हेडकां0 सुरेन्द्र (थाना तिगड़ी–दक्षिणी परिक्षेत्र) तथा कां0 संदीप कुमार (थाना वसंत कुंज–नई दिल्ली परिक्षेत्र)।**



कां0 राजू राम यादव (थाना द्वारका नॉर्थ-पश्चिमी परिक्षेत्र)


हेडकां0 सुरेन्द्र (थाना तिगड़ी-दक्षिणी परिक्षेत्र)


विनय (थाना करावल नगर-पूर्वी परिक्षेत्र)


कां0 संदीप कुमार (थाना वसंत कुंज-नई दिल्ली परिक्षेत्र)


कां0 दिनेश (थाना सदर बाजार- उत्तरी परिक्षेत्र)


कां0 सोनू (थाना भारत नगर-उतरी परिक्षेत्र)

बहुमंजिला इमारत में लगी भयावह आग में फंसे लोगों को बचाने वाले जांबाज पुलिसकर्मियों को लोगों ने किया सलाम


एसआई संदीप


एएसआई जगबीर


कांस्टेबल नरेश

8 दिसम्बर की प्रातः थाना सदर बाजार इलाके में रानी झांसी रोड स्थित अनाज मंडी की एक बहुमंजिला इमारत में भयंकर आग लगने से 43 लोगों की मृत्यु हो गई थी जबकि लगभग 17 लोग घायल हो गये थे। घटना की जानकारी मिलने पर दमकल कर्मी और दिल्ली पुलिस के कर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे। संकरी गली में स्थित इस बहुमंजिला इमारत से आग की लपटें और गहरा काला धुंआ निकल रहा था जिसे देखकर हर कोई सहम रहा था। सदर बाजार **एसीपी श्री राम मेहर सिंह** व **इंस्पेक्टर विजय कुमार** ने जहां सबसे पहले दमकल कर्मियों को मौके पर पहुंचने के लिए रास्ता साफ कराया वहीं **एसआई संदीप, एएसआई जगबीर** व **कां0 नरेश** ने आग व धुएँ में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। यहाँ सबसे बड़ी बात यह देखने को मिली कि दोनों एजेसियों के बीच बेहतर तालमेल होने से लोगों की जान बचाने की हर मुमकिन कोशिश की गई जिसकी मौके पर मौजूद हर व्यक्ति ने काफी सराहना की। एसआई संदीप, एएसआई जगबीर व कां0 नरेश ने बिना अपनी जान की परवाह किये आग व घुएँ में फंसे लोगों को अपने कंधों पर डालकर सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि इन पुलिसकर्मियों के मन में बाद तक यही मलाल रहा कि हरसंभव कोशिश के बावजूद इतने लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इन जांबाज सभी पुलिसकर्मियों के अदम्य साहस और अच्छी सूझबूझ के लिए शाबाशी देते हुए प्रशंसा की।

चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावा दो सप्ताह से ज्यादा लंबित नहीं रखा जाए

पुलिस प्रशासन अपने कर्मियों के हितों को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर उनके कल्याण से जुड़े परिपत्र एवं आदेश जारी करता रहता है। इसी श्रृखंला में पिछले दिनों पुलिस मुख्यालय ने एक परिपत्र जारी कर सभी जिला/ईकाईयों को निर्देश दिये हैं कि पुलिसकर्मियों के साथ–साथ सी.जी.एच.एस. पैनल के किसी भी अस्पताल द्वारा प्रस्तुत चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावे के बिल दो सप्ताह से ज्यादा लंबित नहीं रहना चाहिए। **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** के निर्देशानुसार 9 दिसम्बर को विशेष पुलिस आयुक्त (सामान्य प्रशासन) की अध्यक्षता में हुई बैठक में ध्यान आकर्षित कराया गया कि पुलिस कर्मियों द्वारा एवं सी.जी.एच.एस पैनल के अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत चिकित्सा प्रतिपूर्ति के मामले महीनों जिला/ईकाईयों में लंबित रहते हैं जिस कारण समय पर बिलों की रकम अदायगी नहीं हो पाती। इसके साथ ही ऐसे कई मामले भी संज्ञान में आये हैं जो संबंधित जिला/ईकाई प्रमुख (Head of Offices) के पास लंबित रहे है जिसमें गृहमंत्रालय व पुलिस मुख्यालय द्वारा ex-post facto मंजूरी दी गई या जिन्हें अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस मुख्यालय स्तर पर भेजा जाना था। परिपत्र में कहा गया है कि जिला/ईकाई प्रमुख द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति की संवीक्षा के बाद उनका शीघ्र निपटारा हो। इसके साथ ही किसी भी पुलिस अधिकारी, कर्मी या सी.जी.एच.एस. पैनल के अस्पताल द्वारा प्रस्तुत चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावा जिला/इकाई प्रमुख (Head of Offices) द्वारा दो सप्ताह से ज्यादा लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। Head of Offices द्वारा इस संबंध में सभी प्रशासनिक शाखाओं के प्रभारी एवं संबंधित सहायकों को जागरूक भी करना चाहिए।

द्वारका जिले में पब्लिक फेसिलिटेशन कियोस्क तथा COMMUNITY POLICING VEHICLE का उद्घाटन

VERIFICATION APP ''परख'' का अनावरण एवं सुरक्षा की दृष्टि से ''सबसे सुरक्षित सोसाइटी'' को सम्मानित करने का कार्यक्रम



Community Policng Vehicle को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए पुलिस आयुक्त



वेरिफिकेशन ऐप 'परख' को लॉच करते हुए पुलिस आयुक्त



सुरक्षित सोसाईटियों के पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त



द्वारका इलाके में महिला पुलिसकर्मियों द्वारा स्कूटी से गश्त की शुरूआत

15 दिसम्बर, 2019 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने द्वारका सैक्टर–10 डीडीए मार्केट में **''पब्लिक फेसिलिटेशन क्योस्क''** का शुभारंभ किया। इस मौके पर द्वारका जिला में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में सबसे सुरक्षित सोसाइटी सम्मान के अन्तर्गत जिले की सबसे सुरक्षित सोसाइटियों को सम्मानित किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.एस.कृष्णिया, श्री सतीश गोलचा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती शालिनी सिंह, उपायुक्त पुलिस श्री एंटो अल्फोंस, एसीपी श्री राजेन्द्र सिंह, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की सदन प्रतिपक्ष श्रीमती कमलजीत सहरावत**, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं सोसाइटियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इसी मौके पर द्वारका जिला द्वारा निर्मित Verification app **''परख''** का भी अनावरण किया गया।

''परख ऐप'' में जिले के सभी 9 थाना क्षेत्रों में पड़ने वाली विभिन्न सोसाइटियों एवं फ्लैटों का डोर–टू–डोर डेटा रखा गया है। पुलिस ने हर बिल्डिंग को वेरिफाई किया है और उसकी फोटो, आउट प्लान, गूगल मैप के जरिए उस बिल्डिंग तक पहुंचने का रास्ता, बिल्डिंग के मालिक,किरायेदार और निर्मित बिल्डिंग का नक्शा आदि की Details रखी गई है। इसके अलावा हर बिल्डिंग में रहने वाले परिवार के सदस्यों की जानकारी, फोटो व आई डी के साथ–साथ इलाके के बैड कैरेक्टर व कुख्यात अपराधियों की जानकारी भी इस परख ऐप में मौजूद है। इस ऐप के दूसरे चरण में किरायेदारों, घरेलू सहायकों, प्रेस करने वालों, सुरक्षा गार्डों आदि की वेरिफिकेशन के बाद उनकी जानकारी भी इस ऐप में डाली जाएगी। इसके साथ ही अकेले रहने वाले बुजुर्गो के लिए अलग से कॉलम बनाया गया है। पुलिस ने डोर–टू–डोर जाकर लोगों को ने केवल सुरक्षा प्रबंधों के प्रति जागरूक किया है, बल्कि उनसे सुझाव भी लिए गए है कि उनके घर में सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए जाएं।

पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने द्वारका सेक्टर 10 की मार्केट में पब्लिक फेसिलिटेशन क्योस्क का शुभारंभ किया। इस जनसुविधा डेस्क पर नागरिक 24 घंटे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे और ई–एफआरआई सहित वेरिफिकेशन फार्म आदि भी भरे जा सकेंगे। इस क्योस्क को दिल्ली पुलिस के मुख्य सर्वर से जोड़ा गया है। इसके साथ ही सभी आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित Community policing Vehicle को भी हरी झंडी दिखाई गई।

पुलिस व जनता के बीच परस्पर सहयोग एवं विश्वसनीयता बढ़ाना दिल्ली पुलिस की कार्यशैली में एक विशेष प्राथमिकता रही है। इसी दिशा में काम करते हुए द्वारका जिला की सभी आवासीय सोसाइटियों के प्रतिनिधियों को अपनी–अपनी सोसाइटी में सुरक्षा व्यवस्था के विशेष प्रबंध करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस की इस मुहिम से विभिन्न सोसाइटियों में रहने वाले पदाधिकारी ही नहीं बल्कि वहाँ के निवासी भी जागरूक हुए। इसी उद्देश्य से श्री पी .के. भारद्वाज (Retd. IPS) की अगुआई में एक Security Audit Committee का गठन किया गया, जिसने सभी सोसाइटियों के सुरक्षा प्रबंधन का मूल्यांकन किया तथा कमेटी ने सुरक्षा के मापदंडों पर खरा उतरने वाली सोसाइटियों का चयन किया। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने द्वारका स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में चयनित सोसाइटियों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जिसमें द्वारका सेक्टर–4 की **इस्पातिका सोसाइटी** को बेस्ट सिक्योर्ड सोसाइटी के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुलिस आयुक्त द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों को रियायती दरों पर ताजा व गर्म खाना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोबाइल कैंटीन का उद्घाटन

2 दिसम्बर, 2019 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने नई पुलिस लाईन में धरना–प्रदर्शन व रैलियों के मौकों पर सार्वजनिक स्थानों पर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों के लिए ताजा व गर्म खाना मुहैया कराने के उद्देश्य से एक मोबाइल कैंटीन का उद्घाटन किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री मुक्तेश चन्दर, श्री रॉबिन हिबु, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री के.जगदीशन, श्री देवेश श्रीवास्तव** तथा **उपायुक्त पुलिस श्री राकेश कुमार बंसल** सहित काफी संख्या में एंटी रॉयट सेल के अधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित थे।

दिल्ली में 2 महिला कंपनियों सहित कुल 28 सी.पी. रिजर्व कंपनियों में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ–साथ अन्य ईकाईयों में तैनात पुलिसकर्मी जो दंगा–फसाद, धार्मिक समारोह, राजनीतिक रैलियों व अन्य मौकों पर सुरक्षा व्यवस्था व भीड़ प्रबंधन के लिए ड्यूटी करते हैं, उनके लिए रियायती दरों पर ताजा व गर्म खाना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस मोबाइल कैंटीन की शुरूआत की गई है ताकि ड्यूटी के दौरान खाने व नाश्ते के लिए उन्हें इधर–उधर ना भटकना पड़े। इसके लिए एक 25 सीटर आयशर मिनी बस को विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित किया गया है जिसमें फ्रिज, हॉट फूड कैबिनेट, सिंक यूनिट, गर्म व ठंडा वॉटर डिस्पेंसर व बेवरेज टेबल लगाए गए हैं। इस मोबाइल कैंटीन के माध्यम से सप्लाई होने वाला नाश्ता व भोजन न्यू पुलिस लाइन्स स्थित सेंट्रल कैंटीन में तैयार किया जाएगा। बिना लाभ व हानि के रियासती दरों पर पुलिसकर्मियों को नाश्ता व भोजन उपलब्ध कराना पुलिस प्रशासन की स्टाफ के वेलफेयर का हर संभव ध्यान रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



मोबाइल कैंटीन बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक



मोबाइल कैंटीन बस का अवलोकन करते हुए पुलिस आयुक्त एवं विशेष पुलिस आयुक्त

सी.पी. रिजर्व कर्मियों की वर्दी में बदलाव

2 दिसम्बर, 2019 को ही **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने सी.पी. रिजर्व में तैनात पुलिसकर्मियों की नए रूपरंग से सुसज्जित आधुनिक वर्दी का अवलोकन किया। दिल्ली में दंगा नियंत्रण, प्रदर्शनकारियों पर नियत्रंण, पथराव या हिंसक झडप पर नियत्रंण करने में पारंगत सी.पी. रिजर्व की वर्दी में बदलाव करते हुए उसे विदेशों की तर्ज पर काफी उम्दा और आकर्षक बनाया गया है। नई वर्दी जिसे फुलबॉडी प्रोटेक्टर भी कहा जा सकता है, शारीरिक दृष्टि से पुलिसकर्मियों की सुरक्षा करने में सक्षम रहेगी।



एंटी रॉयट सेल कर्मियों की बदली वर्दी का अवलोकन करते हुए पुलिस आयुक्त

उपराज्यपाल द्वारा पुलिस–अधिवक्ता विवाद में घायल पुलिसकर्मियों की चिकित्सा सहायता के लिए 7.90 लाख रुपये की आर्थिक मदद

25 नवम्बर, 2019 को **माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैज़ल** ने पुलिस–अधिवक्ताओं के बीच हुए विवाद में घायल पुलिसकर्मियों को चिकित्सा मदद के तौर पर 7.90 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। गंभीर रूप से घायल 8 पुलिसकर्मियों को 50–50 हजार रुपये तथा साधारण रूप से घायल 13 पुलिसकर्मियों को 30–30 हजार रुपये आर्थिक मदद के तौर पर दिये गए हैं ताकि घायल पुलिसकर्मी अपना उचित इलाज करा सकें। स्मरण दिलाया जाता है कि 2 नवम्बर, 2019 को तीस हजारी अदालत परिसर में पुलिसकर्मियों और अधिवक्ताओं के बीच हुए विवाद में 21 पुलिसकर्मी घायल हो गये थे।

दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल का 27वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ



स्कूल वार्षिकोत्सव में शामिल पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण, पुलिस परिवार कल्याण समिति की पदाधिकारी एवं शिक्षण स्टॉफ का सामूहिक चित्र

1 दिसम्बर, 2019 को सफदरजंग एंक्लेव स्थित दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल ने अपना 27वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** एवं **दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक** के साथ–साथ **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.एस.कृष्णिया, श्री सुनील कुमार गौतम, श्री सतीश गोलचा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री नीरज ठाकुर, श्री देवेश श्रीवास्तव, उपायुक्त पुलिस श्री देवेन्द्र आर्य, अति.उपायुक्त पुलिस श्री इंगित प्रताप सिंह, श्री विक्रम.एच.एम.मीणा** एवं पुलिस परिवार कल्याण समिति की पदाधिकारियों की उपस्थिति ने छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित किया। पुलिस आयुक्त एवं समिति की अध्यक्षा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और बच्चों को अपना शुभाशीष दिया। कार्यक्रम के दौरान जहाँ स्कूल प्रबंधन बोर्ड ने स्कूल की वार्षिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला वहीं बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और यौगिक क्रियाओं के प्रदर्शन तथा माया से मोक्ष की संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से रामायण का मंचन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए शिल्पिका नाम से आर्ट एंड क्राफ्ट की प्रदर्शनी लगाई गई तथा स्कूल परिसर में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की अपील के अनुपालन में 25केवी. की क्षमता वाले 25 सोलर पैनल का भी उद्घाटन किया।





सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल के बच्चे



श्रीमती सूचना पटनायक का स्वागत करते हुए प्राचार्या, श्रीमती रूबी मल्होत्रा

पुलिस परिवार कल्याण समिति ने अपने सभी कल्याण केन्द्रों में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया





दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने बाल दिवस के मौके पर अपने सभी कल्याण केन्द्रों में पुलिस परिवारों के साथ मिलकर खेल–कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। पं0 जवाहर लाल नेहरू की जयंती के मौके पर समिति ने भिन्न–भिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित कर पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं और बच्चों में उत्साह व खुशी का माहौल बनाया। मॉडल टाउन कल्याण केन्द्र पर समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने तथा अन्य जगहों पर केन्द्रों की टीम लीडर्स ने खेल–कूद से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कराये। बच्चों ने जहां नीबू चम्मच रेस, रस्साकशी और म्यूजिकल चेयर जैसे खेलों का आनंद लिया वहीं महिलाओं ने भी टग ऑफ वार और म्यूजिकल चेयर गतिविधियों में शामिल होकर अपने बचपन को याद किया। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने बच्चों को पुरस्कार एवं मिठाई बांटी और उन्हें लगन से काम करने और बचपन का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा युवाओं और सेवानिवृत पुलिसकर्मियों के लिए आयोजित जॉब फेयर–2019 की शानदार सफलता

23 को ऑन दा स्पॉट जाब ऑफर लेटर और 247 साक्षात्कार के लिए चयनित

जॉब फेयर में जॉब ऑफर लेटर और साक्षात्कार के लिए चयनित होने पर गद्गद् हुए पुलिस परिवारों से जुड़े नौनिहाल

14 दिसम्बर, 2019 को **दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति** ने एक्सिस बैंक की मदद से नई पुलिस लाइन मैदान में दिल्ली पुलिसकर्मियों के बच्चों और सेवानिवृत कर्मियों के लिए जॉब फेयर–2019 आयोजित किया। समिति की **अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक** ने प्रातः जॉब फेयर का शुभारंभ किया। इस मौके पर समिति की **सह–संयोजक श्रीमती ज्योति चहल, श्रीमती गीता नित्यानंदम** सहित समिति की अधिकांश पदाधिकारी एवं सहयोगी उपस्थित थीं। एक्सिस बैंक द्वारा एक पोर्टल बनाया गया था जिसमें लगभग 1900 उम्मीदवारों के बायोडाटा अपलोड किए गए थे। जॉब फेयर में विप्रो एवं एचसीएल सहित 77 कारपोरेट कंपनियों के पदाधिकारी भी मौजूद थे। चयन प्रक्रिया के दौरान 23 उम्मीदवारों को मौके पर ही नियुक्ति पत्र दिये गये जबकि 247 उम्मीदवारों को अगले चरण में साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है।

जॉब फेयर कार्यक्रम के समापन समारोह में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने **एक्सिस बैंक** के **वरिष्ठ उप–निदेशक अनिरूद्ध माहेश्वरी, सुश्री तनु मल्होत्रा, उप–निदेशक संजय सोनी, शाखा प्रबंधक श्री आशीष साहनी** सहित समिति के अनुरोध पर जॉब फेयर में आए सभी नियोक्ताओं के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। पुलिस आयुक्त ने समिति द्वारा पिछले कुछ वर्षो में पुलिस परिवारों के कल्याणार्थ किये गये कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि समिति ने अपने कार्यो के माध्यम से उच्च मापदंड स्थापित किये हैं। श्री पटनायक ने कहा कि समिति ने पुलिस परिवारों की महिलाओं, बच्चों और सेवानिवृत पुलिस कर्मियों के कल्याणार्थ जो काम किये है उनसे महिलाओं में आत्मविश्वास जागृत हुआ और वह स्वरोजगार के प्रति प्रेरित हुई और बच्चों को रोजगार के अवसर प्रदान कराने के साथ–साथ उनकी खेल भावना को मजबूत किया है। मुझे खुशी है कि समिति ने जिन बच्चों को विभिन्न खेलों में निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाया उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली पुलिस व देश का नाम रोशन किया है। अपने सम्बोधन में कहा कि दिल्ली पुलिस पूरे देश में जितनी कड़ी मेहनत और लगन से काम करती है वैसा शायद ही किसी और पुलिस संगठन में देखने को मिले। दिल्ली पुलिस को प्रतिदिन किसी न किसी नई चुनौती का सामना करना पड़ता है और हमारा जवान उस कसौटी पर खरा उतरने के लिए कुछ भी करने के लिए तत्पर रहता है। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस. नित्यानंदम, श्री आर.एस.कृष्णिया, श्री एस.के.गौतम, श्री सुनील गर्ग, श्री प्रवीर रंजन, संयुक्त पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव, श्रीमती शालिनी सिंह व श्रीमती मीनू चौधरी** भी मौजूद थी।



जॉब फेयर का उद्घाटन करते हुए श्रीमती सूचना पटनायक



जॉब फेयर में आई एक युवती को नियुक्ति पत्र देते हुए पुलिस आयुक्त



जॉब फेयर में आए एक युवक को नियुक्ति पत्र देते हुए पुलिस आयुक्त



जॉब फेयर में शामिल समिति की अध्यक्षा, पदाधिकारी, पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं विभिन्न कंपनियों के अधिकारियों का सामूहिक चित्र

यातायात पुलिस द्वारा आयोजित 'साफ सड़कें–सुरक्षित सड़कें' कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त ने बच्चों की भागीदारी को सराहा



बच्चों द्वारा बनाए चित्रों का अवलोकन करते हुए पुलिस आयुक्त एवं वि.पु. आयुक्त



सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में एक स्कूली छात्रा को पुरस्कार देते हुए पुलिस आयुक्त

13 दिसम्बर, 2019 को यातायात पुलिस ने संसद मार्ग स्थित एनडीएमसी के कन्वेंशन हॉल में ''साफ सड़कें–सुरक्षित सड़कें'' कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, श्री एस.नित्यानंदनम, श्री प्रवीर रंजन, श्री मुक्तेश चन्दर, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती मीनू चौधरी, श्री एन. एस.बुंदेला एवं अति.आ.पुलिस सुमन गोयल** तथा यातायात पुलिस द्वारा समय समय पर आयोजित कार्यक्रमों में सहयोग करने वाले Corporate partner Hero motocorp, HMST, IGL & SIAM के पदाधिकारी एवं स्वच्छता पखवाड़े में भाग लेने वाले अध्यापक एवं स्कूली छात्र/छात्राएँ उपस्थित थे।

1 से 15 दिसम्बर तक चले इस स्वच्छता पखवाड़े में बच्चों की ओर से पेंटिग प्रदर्शनी लगाई गई और गीत संगीत प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि समाज में ऐसे संदेश प्रसारित करने में स्कूली बच्चे सबसे ज्यादा मददगार साबित होते हैं। इसलिए उन्हीं के माध्यम से समाज में स्वच्छता और सड़क सुरक्षा जैसे जागरूकता भरे संदेश आसानी से फैलाये जा रहे हैं। पुलिस आयुक्त ने बच्चों में स्वच्छता की आदत और यातायात नियमों का पालन करने की आदत डालने में सहयोग किये जाने पर शिक्षकों को भी धन्यवाद दिया। विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी भी शहर में बाहर से आने वाले लोग सबसे पहले यही देखते हैं कि उस शहर की सड़कें कितनी सुरक्षित हैं और वहाँ की साफ–सफाई कैसी है। उसी के आधार पर लोग उस शहर या देश के बारे में अपनी धारणा बनाते हैं। इसीलिए हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने घर को ही नहीं बल्कि अपने शहर और उसकी सड़कों को भी साफ और सुरक्षित बनाए रखें।

पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बच्चों द्वारा चित्रों के माध्यम से की गई कलात्मक अभिव्यक्ति की भी प्रशंसा की। बच्चों द्वारा ''साफ सड़कें–सुरक्षित सड़कें'' थीम पर आधारित स्वागत गीत और नृत्य प्रदर्शन का श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में पुलिस आयुक्त एवं विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) ने यातायात पुलिस द्वारा वर्षभर में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की मदद से प्रशिक्षित 16 खिलाड़ियों ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक से शिष्टाचार भेंट की

2 दिसम्बर, 2019 को दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की मदद से विभिन्न खेलों में प्रशिक्षित किये गये खिलाड़ियों ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर उपायुक्त पुलिस (वेलफेयर) श्री आसिफ मोहम्मद अली व शूटिंग कोच श्री फलक भी उपस्थित थे। राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, कांस्य व रजत पदक जीतने वाले इन खिलाड़ियों ने समिति के साथ-साथ दिल्ली पुलिस का नाम भी रोशन किया है। पुलिस आयुक्त महोदय ने सभी खिलाड़ियों को उनकी सफलता के लिए बधाई देते हुए उन्हें भविष्य में नई उपलब्धियाँ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।



पुलिस आयुक्त एवं विभिन्न खेलों के प्रतिस्पर्धी प्रशिक्षकों का सामूहिक चित्र

पुलिस कार्यशैली से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक मॉडल प्रदर्शनी (हैकॉथान–2019) आयोजित

दिल्ली पुलिस ने कानून–व्यवस्था, यातायात, पुलिस वायरलैस संचार और साइबर फॉरेंसिक से जुड़ी लगभग 13 समस्याओं के प्रभावी, स्तरीय और किफायती समाधान के लिए एक अनूठे intiative में अकादमिक और स्टार्ट–अप Promotion के तहत युवाओं को आमंत्रित किया। इस समाधान योजना को नाम दिया गया हैकाथॉन–2019। हैकाथॉन के लिए दिल्ली पुलिस को 343 आवेदन मिले जो अधिकतर इंजीनियरिंग कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों के छात्रों की तरफ से थे। दिल्ली पुलिस की उच्चस्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी ने प्रस्तावित समाधानों की प्रभावशीलता, कार्यान्वयन की व्यावहारिकता, लागत,स्तर और मौलिकता की कसौटी पर 343 प्रस्तावों में 104 को उनके विस्तृत प्रस्तावों के साथ आमंत्रित किया, जिनमें से 43 को शॉर्टलिस्ट किया गया। अंततः 4 दिसम्बर, 2019 को नए पुलिस मुख्यालय में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** की उपस्थिति में 21 प्रतियोगियों ने अपने–अपने मॉडल के माध्यम से समाधान प्रदर्शित किये। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री सतीश गोलचा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री नीरज ठाकुर, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री प्रेमनाथ** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेज व अनुसंधान संस्थाओं से जुड़े छात्र/छात्राएँ मौजूद रहे। हैकाथॉन–2019 में दिल्ली पुलिस द्वारा उल्लिखित 13 समस्याओं को अपने मॉडल प्रस्तुति के माध्यम से शानदार तरीके से प्रस्तुत करने वाले प्रथम,द्वितीय व तृतीय विजेताओं को पुलिस आयुक्त ने पुरस्कृत किया । इनमें से ट्रैफिक सिग्नल का रिमोट ऑपरेशन मॉडल व कानून–व्यवस्था बनाये रखने के लिए वाईफाई का उपयोग कर सुरक्षित स्थानीय वायरलेस संचार व्यवस्था उपलब्ध कराना सबसे बेहतर पाए गए। इसमें डॉ0 अखिलेश दास गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी ऑफ मैनेजमेंट से श्री भास्कर दत, श्री अभिषेक और आकाशवाणी की विजेता टीम ने एक एडहॉक वायरलैस नेटवर्क बनाने की रूपरेखा का प्रस्ताव और प्रदर्शन किया। हर नोड में आवाज को पकड़ने और मिलान के लिए क्लाउड पर भेजने के लिए इंटरनेट कनेक्टेड माइक्रो कंट्रोलर और माइक्रोफोन का प्रयोग किया। इसी तरह भारतीय विद्यापीठ ऑफ इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र मनन आनंद, निशिता और विभु की टीम ने यातायात संकेतों को दूर किसी एक स्थान से नियंत्रण करने को मॉडल प्रस्तुत किया। यह मॉडल एक एप आधारित रिमोट कंट्रोलर है, जो क्लाउड कंप्यूटिंग और ट्रैफिक कैमरा सर्विलांस का उपयोग करता है।



ट्रैफिक सिग्नल का रिमोट ऑपरेशन मॉडल का अवलोकन करते हुए पुलिस आयुक्त



श्रेष्ठ तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी हैकॉथान-2019 की टीम को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

कार्यवाही के दौरान प्रचलन में आ रहे संक्षिप्त शब्दों की Full form

POCSO	:	Protection of Children from Sexual Offences
SPUWAC	:	Special Police Unit for Women and Children
SPUNER	:	Special Police Unit for North- East Residents
C4i	:	Integrated Command, Control Coordination & Communication Centre
CCTNS	:	Crime & Criminal Tracking Network System
CIPA	:	Common Integrated Police Application.
CRIS	:	Criminal Remote Identification System.
ZIPNET	:	Zonal Integrated Police Network.
NPR	:	National Population Register
NRC	:	National Registration of Citizens
CAA	:	Citizenship Amendment Act
PPP	:	Public Private Partnership Model
RCIC	:	Rape Crisis Intervention Center
AHTU	:	Anti Human Trafficking Unit
FICN	:	Fake Indian Currency Note.
PMKVY	:	Prime Minister Kaushal Vikas Yojna
NEAT	:	North-East Assistance Team
RSC	:	Road Safety Cell
PIU	:	Public Interface Unit.
AFPIS	:	Automatic Finger & Palm Print Information System
PDPPA	:	Prevention of Damage to Public Property Act

दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित ''स्वच्छ यमुना–निर्मल यमुना पखवाड़े'' में आमजन ने भी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया

दक्षिण–पूर्वी जिला द्वारा कालिंदी कुंज इलाके में यमुना किनारे चलाये जा रहे स्वच्छ यमुना–निर्मल यमुना पखवाड़े का 5 दिसम्बर, 2019 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.एस.कृष्णिया, श्री मुक्तेश चन्दर, श्रीमती नुजहत हसन, श्री सुनील कुमार गौतम, श्री प्रवीर रंजन, सयुंक्त पुलिस आयुक्त श्री देवेश श्रीवास्तव, उपायुक्त पुलिस श्री चिन्मय बिस्वाल** सहित लगभग 1500 की संख्या में जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी के छात्रों/स्कूली बच्चों/युवाओं/आरडब्लू एवं मार्केट एसोशिएशन के पदाधिकारियों ने भी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने दक्षिण–पूर्वी जिला पुलिस की इस शानदार पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस समय समय पर सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाकर स्थानीय लोगों को जोड़ने का प्रयास करती रही है। 1 से 15 दिसम्बर तक चले इस स्वच्छता पखवाड़े के शुभारंभ के मौके पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि साफ–सफाई कोई एक दिन करने वाला काम नहीं है यह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक अहम् हिस्सा होना चाहिए। यह हमारी आदत में शामिल होना चाहिए, विशेषकर हमारे बच्चों में। यदि प्रारंभ से ही बच्चों को स्वच्छता, जो न केवल घरों में बल्कि सार्वजनिक स्थलों पर भी होनी चाहिए, के बारे में जागरूक किया जाए तो निःसंदेह ज्यादा लाभप्रद होगा। पुलिस आयुक्त महोदय ने उपस्थित जनसमूह को एक शपथ भी दिलाई कि ''वे हर सप्ताह कम से कम 2 घंटे अपने आसपास के क्षेत्र की सफाई के लिए निकालेंगे और अपने इस स्वच्छता अभियान में कम से कम 100 और लोगों को जोड़ने की भी कोशिश करेंगे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों का भी आह्वान किया कि स्वच्छता अभियान को एक औपचारिकता ना समझे बल्कि इसे अपनी जिम्मेदारी समझ कर इस पर काम करें। चार टीमों में विभाजित होकर स्वच्छता अभियान में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली अव्वल टीम को विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.एस.कृष्णिया ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर यमुना किनारे फैले कूड़े व प्लास्टिक को एकत्रित करने के उद्देश्य से आयोजित **''प्लॉगिंग रन''** को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया।



मंच पर आसीन पुलिस आयुक्त एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी


'प्लॉगिंग रन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए पुलिस आयुक्त


स्वच्छता अभियान में भाग लेती छात्राएँ

दिल्ली व असम को दहलाने की साजिश रचने वाले तीन आंतकियों को दबोचने वाली स्पेशल सेल की टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित


स्पेशल सेल की टीम पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

स्पेशल सेल की नई दिल्ली परिक्षेत्र की टीम ने असम पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन में आईएसआईएस से प्रेरित एक आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ कर 3 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। इन खूंखार आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में विस्फोटक,/आईईडी (इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बनाने के उपकरण, 4 मोबाइल फोन जिनमें आईएसआईएस से संबंधित संवेदनशील जानकारी, बॉल बेयरिंग, तेजधार हथियारों एवं अन्य आपतिजनक पाठ्य सामग्री भी बरामद की। स्पेशल सेल की टीम को जानकारी मिली थी कि तीन संदिग्ध आतंकवादी गोलपाड़ा, असम के दुधनोई में आयोजित होने वाले एक स्थानीय मेले **'रासमेला'** में आईईडी व विस्फोटक सामग्री से एक बड़ी साजिश को अंजाम देंगे। गिरफ्तार तीनों आतंकवादी दिल्ली में अपने स्लीपर सेल तैयार कर रहे थे व असम के बाद यहाँ भी भीड़–भाड़ वाले इलाकों, व्यस्त बाजारों, स्टेशन आदि पर विस्फोट कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बटोरना चाहते थे। **इंस्पेक्टर सुनील कुमार राजन, इंस्पेक्टर रविन्द्र जोशी व इंस्पेक्टर विनोद बड़ोला ने एसीपी श्री ललित मोहन नेगी व एसीपी श्री हृदय भूषण** के मार्गदर्शन में अपनी टीम के साथ इस दिशा में काम करना शुरू किया। इंस्पेक्टर सुनील कुमार राजन मौके पर पहुंचे और संदिग्धों की पहचान सुनिश्चित की। स्पेशल सेल की टीम ने असम पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन में 22 से 24 वर्ष के रंजीत इस्लाम, मुकादीर इस्लाम तथा लुइत जमील जमान को विस्फोटक एवं अन्य आपतिजनक सामग्री के साथ गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की। स्पेशल सेल की इस शानदार कामयाबी पर पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने 29 नवम्बर, 2019 को स्पेशल सेल की टीम को शाबाशी देते हुए उनकी हौसला–अफ़जाई की। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री नीरज ठाकुर, उपायुक्त पुलिस श्री पी.एस.कुशवाह** एवं टीम के अन्य सदस्य मौजूद थे।

दिल्ली पुलिस में पुलिस आयुक्त के कमेंडेशन डिस्क सम्मान की शुरूआत

देश की विभिन्न पुलिस फोर्स जिसमें केन्द्रीय पैरा मिलिट्री फोर्स भी शामिल हैं, के विभागाध्यक्ष द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मियों की उत्कृष्ट, विशिष्ट एवं सराहनीय सेवाओं को देखते हुए कमेंडेशन डिस्क अवार्ड से सम्मानित किये जाने की परंपरा हैं। यह सम्मान राष्ट्रीय पर्वो पर मिलने राष्ट्रपति पुलिस पदकों एवं गृहमंत्रालय द्वारा दिये जाने वाले उत्कृष्ट सेवा पदक एवं अति उत्कृष्ट सेवा पदक से अलग है। दिल्ली पुलिस (सामान्य सेवा एवं शर्त नियम–1980) के अनुसार दिल्ली पुलिस में भी पुलिस आयुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र व नकद पुरस्कार अपने अधीनस्थ कर्मियों को स्वीकृत किये जाते हैं। इसी तर्ज पर **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से स्थाई आदेश संख्या 374/19 में संशोधन करते हुए **सिल्वर डिस्क सम्मान एवं गोल्ड डिस्क सम्मान** देने की शुरूआत की है। पुलिस आयुक्त का सिल्वर कमेंडेशन डिस्क हर वर्ष उन 50 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को दिया जाएगा जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में बहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी बेदाग सेवा के 16 वर्ष पूरे कर लिये हैं और गोल्ड कमेंडेशन डिस्क हर वर्ष उन 25 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को दिया जाएगा जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में बहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी बेदाग सेवा के 24 वर्ष पूरे कर लिये हैं। ये दोनों अवार्ड हर वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) में दिये जायेंगे। इन अवार्ड्स के लिए संस्तुति करने वाले पुलिस अधिकारी अपराधों की रोकथाम, संवेदनशील मामलों की जांच व उन्हें सुलझाने में भूमिका, महत्वपूर्ण संवेदनशील मामलों की पैरवी करने, विषम परिस्थितियों में मजबूत कानून व्यवस्था बनाए रखने, कम्यूनिटी पुलिसिंग को क्रियान्वित करने में प्रभावशाली योगदान देने, ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में शानदार प्रदर्शन करने, प्रशासनिक ड्यूटी, प्रशिक्षण, महिला सुरक्षा, आईटी, सुचारू यातायात संचालन, स्पोर्ट्स व एथलेटिक्स में प्राप्त उपलब्धियों को ध्यान में रखेंगे। इन अवार्ड्स के लिए कांस्टेबल से इंस्पेक्टर तक का नाम प्रस्तावित करने के लिए संबंधित उपायुक्त पुलिस की अध्यक्षता में दो अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस या सहायक पुलिस आयुक्त, सदस्य के रूप में अपनी अनुशंसा देंगे। सहायक पुलिस आयुक्त के नाम को नामांकित करने के लिए उनके संबंधित संयुक्त पुलिस आयुक्त या अतिरिक्त आयुक्त पुलिस की अध्यक्षता में दो उपायुक्त पुलिस या अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस सदस्य के रूप में अपनी अनुशंसा देंगे। इसी तरह अतिरिक्त उपायुक्त एवं उनसे ऊपर तक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नाम नामांकित करने के लिए संबंधित विशेष पुलिस आयुक्त द्वारा प्रेषित किये जायेंगे। इसके साथ ही 3 बार असाधारण कार्य पुरस्कार पाने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मी को सिल्वर डिस्क अवार्ड तथा 5 बार असाधारण कार्य पुरस्कार पाने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मी को गोल्ड डिस्क अवार्ड और एक बार बारी से पहले तरक्की पाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सिल्वर डिस्क अवार्ड तथा 2 बार बारी से पहले तरक्की पाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को गोल्ड डिस्क अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। (इस आदेश के पारित होने से पूर्व असाधारण कार्य पुरस्कार एवं बारी से पहले तरक्की पाने वालों के नाम सिल्वर व गोल्ड डिस्क अवार्ड के लिए विचारणीय नहीं होंगे) सभी नामांकित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के नाम पुलिस मुख्यालय स्तर पर पुलिस आयुक्त द्वारा गठित विशेष पुलिस आयुक्त एवं दो अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की प्रोत्साहन कमेटी द्वारा विचारणीय होंगे। सिल्वर एवं गोल्ड कमेंडेशन डिस्क अवार्ड के लिए दिल्ली पुलिस की सभी जिला/ईकाइयों में तैनात कांस्टेबल से लेकर विशेष पुलिस आयुक्त स्तर तक के अधिकारियों के नाम विचारणीय होंगे। ***(कृपया विस्तृत जानकारी के लिए स्थाई आदेश संख्या 374/2019 को पढ़े)***

वर्ष 2019के पुलिस आयुक्त कमेंडेशन डिस्क अवार्ड से सम्मानित पुलिस अधिकारी एवं कर्मी

अब दिल्ली पुलिस में भी पुलिस आयुक्त के सिल्वर डिस्क अवार्ड व गोल्ड डिस्क अवार्ड की शुरूआत की गई। माह दिसम्बर, 2019 से शुरू किये गये इस अवार्ड के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों का चयन करने के लिए संशोधित स्थाई आदेश संख्या 374/19 के तहत कुछ मापदंड स्थापित किये गये है। 31 दिसम्बर 2019 को पहली बार 75 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सिल्वर डिस्क अवार्ड व गोल्ड डिस्क अवार्ड से सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मियों की सूची जारी की गई। **सिल्वर डिस्क अवार्ड के लिए चयनित होने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मी :** संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री डेविड लाल रिंनसांगा, श्रीमती गीतारानी वर्मा (SPUWAC), उपायुक्त पुलिस श्री राजीव रंजन (एस.ओ.टू सी.पी.), उपायुक्त पुलिस श्री मोहम्मद अली (सतर्कता), उपायुक्त पुलिस श्री मोहम्मद इरशाद हैदर (मुख्यालय), उपायुक्त पुलिस श्री अनिल कुमार लाल (मुख्यालय), एसीपी श्री अरूण कुमार शर्मा (भर्ती प्रकोष्ठ), एसीपी श्री अरविन्द कुमार, (अपराध शाखा), एसीपी श्री कपिल पराशर (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ), एसीपी श्री राकेश कुमार त्यागी (उत्तर–पश्चिमी जिला), इंस्पेक्टर संदीप मल्होत्रा (अपराध शाखा), इंस्पेक्टर नीरज कुमार (अपराध शाखा), इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ठाकुर (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर गगन भास्कर (अपराध शाखा), इंस्पेक्टर गुरमेल सिंह (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ), इंस्पेक्टर जरनैल सिंह (उतरी जिला), इंस्पेक्टर आशा ठाकुर (SPUWAC), इंस्पेक्टर विनोद गांधी (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ), इस्पेक्टर केशव माथुर (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर वेद प्रकाश, (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार (पीसीआर), इंस्पेक्टर मोहिन्द्र पाल भारद्वाज (पीसीआर), इंस्पेक्टर अमीन चंद (संचार शाखा), एसआई संदेश के. (स्पेशल सेल), एसआई राजीव कुमार (अपराध शाखा), एसआई राजेन्द्र सिंह (पीएंडएल), एसआई लोकेश कुमार (पूर्वी जिला), एसआई भरपूर सिंह (दक्षिणी जिला), एसआई नरेश कुमार (दक्षिणी जिला), एसआई गजेन्द्र सिंह (मध्य जिला), एसआई कंवर सिंह (दक्षिणी जिला), एएसआई मनोज कुमार (द्वारका), एएसआई पवन कुमार (स्पेशल सेल) एएसआई उमेश कुमार (द्वारका) एएसआई भूपेन्द्र सिंह (मध्य जिला), एएसआई महेशपाल (पीसीआर), एएसआई नारायण दास (उतर–पश्चिमी जिला), एएसआई बाल्मीकि मिश्रा (मध्य जिला), एएसआई राजेन्द्र सिंह (स्पेशल सेल), हेडकां0 मंगल सिंह (स्पेशल सेल), हेडकां0 ईश्वर सिंह (अपराध शाखा), हेडकां0 संजय गोस्वामी (छट्टी वाहिनी), हेडकां0 अजय कुमार टोकस (स्पेशल सेल), हेडकां0 अब्दुल अहद खान (स्पेशल सेल),हेडकां0 ताराचंद (उतरी जिला), हेडकां0 यशपाल (रोहिणी जिला), हेडकां0 अमित कुमार (उतरी जिला), हेडकां0 सुरेन्द्र मलिक (अपराध शाखा), हेडकां0 अमित कुमार (स्पेशल सेल) तथा हेडकां0 सोमनाथ (मध्य जिला)। **गोल्ड डिस्क अवार्ड के लिए चयनित होने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मी :** अति उपायुक्त पुलिस श्री सुशील कुमार सिंह (उत्तर–पश्चिमी जिला), एसीपी श्री राकेश दीक्षित (पूर्वी जिला), एसीपी पंचम चंद (दक्षिणी जिला),एसीपी श्रीमती सुनीता शर्मा (SPUWAC) इंस्पेक्टर ब्रंहम देव (बाहरी–उतरी जिला), इंस्पेक्टर सुनील कुमार (उतरी जिला), इंस्पेक्टर राजेन्द्र गोयल (आई.आर.बटालियन), महिला इंस्पेक्टर सुमन(बाहरी जिला), इंस्पेक्टर मेन पाल सिंह (दक्षिणी जिला), एसआई इकपाल सिंह (दक्षिणी जिला), एसआई धर्मबीर सिंह (मध्य जिला), एसआई रोशन लाल (द्वारका जिला), एसआई अशोक कुमार (अपराध शाखा), एएसआई रमेश कुमार (रोहिणी जिला), एएसआई श्यामेन्द्रा (उतरी जिला), एएसआई सतेन्द्र (उतर–पूर्वी जिला), एएसआई जयनंदन एम (मुख्यालय), एएसआई ब्रिज मोहन (मध्य जिला), एएसआई गुलाब सिंह (अपराध शाखा), एएसआई विनोद कुमार (उतरी जिला), हेडकां0 नेमचंद (दक्षिणी जिला), हेडकां0 जितेन्द्र कुमार (स्पेशल सेल), हेडकां0 राजेश कुमार (द्वारका जिला), हेडकां0 बिजेन्द्र (उतर–पूर्वी जिला) तथा हेडकां कर्मबीर (मध्य जिला)।

माननीय उच्च न्यायालय ने प्राथमिकी दर्ज करते समय उर्दू व फारसी के सरल शब्दों के इस्तेमाल करने पर जोर दिया

27 नवम्बर, 2019 को दिल्ली से प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्रों में उल्लेख किया गया है कि माननीय उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री डी.एन. पटेल व **न्यायमूर्ति श्री सी.हरिशंकर** ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की है कि पुलिस प्राथमिकी (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज करते समय उर्दू व फारसी के भारी शब्दों की जगह आसान शब्दों का प्रयोग करे जिसे आम नागरिक भी समझ सकें। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा भी एक परिपत्र जारी किया गया है।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी उपायुक्त पुलिस श्री संजीव यादव ने एशियन खेलों में रजत पदक जीत कर दिल्ली पुलिस का मान बढ़ाया

बतौर उपायुक्त पुलिस स्पेशल सेल में काम करते हुए आतंकवादियों, व खूंखार अपराधियों को गिरफ्तार करने और हिसंक व घृणित आपराधिक वारदातों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले **श्री संजीव यादव** को विभाग में अभी तक एक कुशल व पेशेवर पुलिस अधिकारी के तौर पर जाना जाता है। उनकी एक और प्रतिभा 1 से 10 दिसम्बर के बीच काठमांडू (नेपाल) में आयोजित 13वें साउथ एशियन खेलो में देखने को मिली जहाँ उन्होंने शूटिंग की 25 मीटर सेंटर फायर इवेंट में रजत पदक जीतकर दिल्ली पुलिस का ही नहीं अपितु देश का नाम भी रोशन किया है। श्री संजीव यादव ने इससे पूर्व भी राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित शूटिंग प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।



श्री संजीव यादव
उपायुक्त पुलिस

''ब्रिज खेल प्रतियोगिता'' में हेडकां. धीरज व उसके साझीदार का शानदार प्रदर्शन

शाहदरा जिला में तैनात **हेडकां0 धीरज कुमार** एवं उसके साझी ने गोवा में आयोजित के.के. मोदी ब्रिज फेस्टिवल में जोहड़ी ब्रिज क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी चतुराई का शानदार प्रदर्शन किया। श्रीमती चन्द्रो एवं प्रकाशो नामक दो बुजुर्ग महिला शूटरों (जिनकी जीवनी पर 'सांड की आंख' नामक फिल्म बनी है) के नाम से प्रख्यात हुए गांव जोहड़ी, जिला बागपत, उत्तर प्रदेश के रहने वाले धीरज ने शतरंज की चतुराई से खेले जाने वाले इस ताश के खेल में अपनी विशेष पहचान बनाई है। धीरज का कहना है कि मैने गांव के बेराजगार युवाओं को एकत्रित कर उन्हें ब्रिज खेल की तरफ आकर्षित किया ताकि वे पथभ्रमित ना हो और इस खेल में अपना ध्यान केन्द्रित रखें। मंसूरी से एक्सप्लोसिव एक्सपर्ट और एनएसजी से कंमाडो कोर्स करने वाले धीरज कुमार का कहना है कि ताश के पत्तों से खेले जाने वाला यह खेल किसी मैराथन से कम नहीं है जिसे पूरी एकाग्रता और चतुराई के साथ परस्पर तारतम्यता से खेला जाता है। इस खेल में 2 या 4 प्रतिभागी खेलते है और अपने प्रतिद्वंदी को अपनी चाल से मात देते हैं। 7 दिनों तक लगातार 7 घंटे खेले जाने वाली इस खेल प्रतियोगिता को वर्ष 2018 में एशियाड खेलों में मान्यता मिली। प्रतिद्वंदी जोड़ी को कड़ी चुनौती देते हुए धीरज की जोड़ी द्वारा शानदार प्रदर्शन करने पर गोवा की **राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा** ने उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया।



गोवा की उपराज्यपाल हेडकां. धीरज को सम्मानित करते हुए

हेडकां0 ललिता मढ़वाल ने खुद को पुनः एक अच्छी एथलीट साबित किया

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में कई पदक जीत कर अपनी खेल प्रतिभा को सिद्ध करने वाली हेडकां0 ललिता मढ़वाल ने इस वर्ष भी 2 से 7 दिसम्बर के बीच मलेशिया में सम्पन्न हुई **''एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप–2019''** में दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीत कर भारत के साथ–साथ दिल्ली पुलिस का नाम भी रोशन किया है। वर्तमान में दक्षिणी जिला के थाना लोधी कॉलोनी में तैनात हेडकां0 ललिता मढ़वाल का कहना है कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हुई एथलेटिक्स प्रतियोगिता में यह उसका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा। उपरोक्त प्रतियोगिता में 29 देशों के लगभग 2500 श्रेष्ठ खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें ललिता ने अपनी दृढ़–इच्छाशक्ति, अनुशासित जीवन शैली और खेलों के प्रति अपनी समर्पण भावना के चलते कई पदक जीतकर शानदार कामयाबी हासिल की।



हेडकां. ललिता मढ़वाल

बतौर प्रतिस्पर्धी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ललिता ने सुबह व शाम चार घंटे के निरंतर अभ्यास के साथ कड़ा परिश्रम किया, जिसकी बदौलत उन्हें 500 व 200 मीटर स्टीपल चेस में एशिया की चैम्पियन बनने का गौरव हासिल हुआ। ललिता ने बताया कि वह पिछले कई वर्षो में दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरू सहित देश के अन्य शहरों में आयोजित हुई हाफ मैराथनों में अपने आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रही। वर्ष 2014 व 2016 में क्रमशः जापान व सिंगापुर में आयोजित हुई एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने कई पदक अपने नाम किये। उसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर उन्हें 2017 में कनाडा में सम्पन्न हुई वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। ललिता ने कहा कि मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि मैं अपने विभागीय एवं पारिवारिक दायित्व के बीच बेहतर तालमेल बैठा सकूं, तथा मैं बहुत खुश हूँ कि मुझे मेरे विभाग ,परिवार व दोस्तों ने न केवल प्रोत्साहित किया बल्कि मानसिक तौर पर भी मजबूत किया। इन अपार सफलताओं के बाद हेडकां0 ललिता मढ़वाल का अगला लक्ष्य 2021 में नीदरलैंड में होने वाली वर्ल्ड पुलिस गेम्स में अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करना है। दिल्ली पुलिस परिवार भी हेडकां0 ललिता के शानदार खेल प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

शुभकामनाएँ

माह सितम्बर व अक्टूबर, 2019 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाईयों से 180 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए है। इनमें से 28 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत हुए सभी पुलिसकर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता है।

सितम्बर माह में सेवानिवृत 83 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं :– इंस्पेक्टर गुलशन कुमार व एएसआई निछतर सिंह (मुख्यालय), एसआई मल्कियत सिंह, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई सत्यवीर सिंह, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई हवा सिंह, एएसआई धर्मेन्द्र कुमार (बाहरी जिला), एसआई सेंसर पाल सिंह (मध्य जिला), एसआई जयभगवान सिंह, एसआई सुबे सिंह, एएसआई करण सिंह तथा ,एमटीएस मान सिंह (उत्तर–पश्चिमी जिला), एएसआई वीर देव (शाहदरा), एएसआई रामजीत सिंह (रेलवे) एमटीएस प्रदीप कुमार (प्रथम वाहिनी), एएसआई जगदीश चंद (सातवीं वाहिनी), एएसआई रामकिशन (पीटीसी), एसआई नरेश कुमार (संचार शाखा), इंस्पेक्टर बदामी लाल तथा एएसआई प्रदीप कुमार (दक्षिण–पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर बीर सिंह, एसआई रामबीर सिंह व एसआई सुखबीर सिंह कैन (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर रवि शंकर, एएसआई रामजी लाल, हेडकां0 सुरेन्द्र (तृतीय वाहिनी), एसआई धर्मदत्त, एसआई ओमपाल सिंह, एएसआई सुखपाल, एसआई उमेद सिंह, एसआई कृष्ण, एसआई किशोरी लाल, एसआई सत्यवान सिंह डांगी, एएसआई रामपाल सिंह, एएसआई गजेन्द्र कुमार, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई उमेश दत्त, एएसआई कृष्ण कुमार, एएसआई चिरंजीत तनेजा, एएसआई धर्मबीर सिंह, एएसआई गजराज सिंह व हेडकां0 अरविन्द कुमार (पीसीआर), इंस्पेक्टर कर्मबीर सिंह, एसआई धर्मबीर सिंह, एसआई महाबीर सिंह, एसआई मोहम्मद सवाले, (विशेष शाखा), एसआई याकुब खान, एसआई रामनिवास, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई कंवर पाल, एसआई सुभाषचंद, एएसआई सुरेश कुमार, एसआई विरेन्द्र कुमार, एएसआई संजोन पी.टी., एएसआई योगेन्द्र सिंह एएसआई ओमप्रकाश (सुरक्षा), एसआई दयाशंकर, एसआई ओंकार सिंह, एएसआई हरपाल सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र (द्वितीय वाहिनी),एएसआई विरेन्द्र सिंह, एएसआई टीका राम व कां0 बलराज सिंह (रोहिणी जिला), एसआई रमेश चन्द्र व एसआई गिरीराज प्रसाद मीणा (द्वारका जिला), एएसआई राम निहोर राम, एएसआई रोहताश कुमार (उतरी जिला), एसआई रणबीर सिंह सहरावत व एएसआई करण सिंह (नई दिल्ली जिला), महिला एसआई उर्मिला कुमार, एएसआई रंजीत सिंह व एमटीएस किताबो (पश्चिमी जिला), इंस्पेक्टर कृष्णपाल, एसआई परमानंद, एसआई विजय कुमार, एसआई सुरेश चंद, महिला एसआई मधु, हेडकां0 रामनिवास खान (यातायात) तथा एएसआई जमीर खान (उतर–पूर्वी जिला)।

अक्टूबर माह में सेवानिवृत 97 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं :– इंस्पेक्टर रमेश चन्द, इंस्पेक्टर सुरेश कुमार व एसआई ओमपाल सिंह (मुख्यालय), महिला इंस्पेक्टर शारदा ठाकुर व एसआई बलराज सिंह (अपराध शाखा), एसआई अनुसुईया प्रसाद ध्यानी, एसआई कृष्ण पाल वर्मा (विशेष प्रकोष्ठ) इंस्पेक्टर कंवर साहिब सिंह, एसआई बंसारी लाल, एसआई ओमप्रकाश, एसआई शिव कुमार, एसआई शिशुपाल सिंह, एसआई नेहचंद दास, एएसआई बिजेन्द्र सिंह, एएसआई जगदीश कुमार, एएसआई राजेश कुमार, एएसआई युद्ववीर, एएसआई सुभाष चंद्र, एएसआई अशोक कुमार सिंह, एएसआई चरण सिंह (पीसीआर), एसआई फूल कुमार, एसआई नरेश कुमार, एसआई किशन लाल, एएसआई भूदेव सिंह (रोहिणी जिला), इंस्पेक्टर सुरेन्द्र कुमार भनोट, एसआई इस्लामुद्दीन व हेडकां0 रंजीत सिंह (शाहदरा जिला), एमटीएस रामबीर सिंह (सातवीं वाहिनी), इंस्पेक्टर विनोद कुमार, एसआईं सुरेश कुमार, एसआई मंजीत सिंह, एसआई अशोक कुमार, (संचार शाखा), एएसआई सुरेन्द्र सिंह (उतर–पश्चिमी जिला), एमटीएस राज सिंह (पश्चिमी जिला), कां0 सत्यवीर सिंह (मैट्रो), इंस्पेक्टर शैलेन्द्र कुमार, एसआई सतीश चन्द्र, एएसआई चन्द्रपाल, एमटीएस भोला राम, एमटीएस खेमानंद (दक्षिण–पूर्वी जिला), एएसआई उमेश कुमार राणा (प्रथम वाहिनी), एसआई विजय कुमार, एसआई सुभाष सिंह, एसआई श्याम सुन्दर, एसआई धर्मबीर सिंह गुलिया, एएसआई हरकेश (पीटीसी), इंस्पेक्टर घासी राम, एसआई राजकुमार, एएसआई रामबीर सिंह, एएसआई सुखवंत सिंह (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर देवी दत्त, एएसआई प्रभु राजू, एमटीएस बलवान सिंह (तृतीय वाहिनी), एएसआई महाबीर सिंह, एएसआई हरीश चन्दर सिंह, हेडकां0 गुरप्रीत सिंह एमटीएस बाबूलाल (पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर रामफल सिंह, इंस्पेक्टर देवेन्द्र सिंह राठी, इंस्पेक्टर मार्टिन होरो, एसआई वीरपाल सिंह, एसआई विनोद कुमार, एसआई सोहन पाल सिंह, एसआई सुरेश कुमार कौशिक, एसआई जगत सिंह, एसआई जगदीश चन्द्र, एसआई नरेन्द्र सिंह, एसआई गुरमेल सिंह, एएसआई शेर सिंह, हेडकां0 महाबीर प्रसाद, हेडकां0 महेन्द्र सिंह, हेडकां0 सुभाषचंद, हेडकां0 महेन्द्र सिंह (सुरक्षा), इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह पारखी (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एसआई रतन स्वरूप, एएसआई मलखान सिंह, एएसआई रविन्द सिंह, कां0 मोहन लाल (नई दिल्ली जिला), इंस्पेक्टर राजपाल सिंह इंस्पेक्टर वेदप्रकाश, एएसआई धर्मपाल, हेडकां0 कश्मीर सिंह तथा हेडकां0 जयकिशन (बाहरी जिला), एसआई राकेश चंद ,एएसआई सुलखान सिंह व एएसआई राजकुमार (मध्य जिला), एसआई ओकांर सिंह,एसआई रामकुमार, महिला एसआई संगीता खत्री, एसआई हमेंत कुमार मुदग्ल व एएसआई प्रमोद कुमार संडलेश, (पीएंडएल)।

श्रद्धांजलि

माह अक्टूबर व नवम्बर, 2019 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाइयों में तैनात 20 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान भिन्न–भिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गए अपने इन साथियों को दिल्ली पुलिस परिवार अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है।

अक्टूबर माह में दिवंगत 12 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं: एसआई इटवा ऑरेन, हेडकां0 सुभाष चंद व कां0 मुकेश कुमार (सुरक्षा), एसआई रहमसिंह (उतरी जिला), एएसआई सतेन्द्र कुमार व हेडकां0 सतीश कुमार (पीसीआर), एएसआई प्रेमसिंह मलिक (दक्षिण–पूर्वी जिला), एएसआई संजीव ध्यानी (सतर्कता), एएसआई धर्मपाल सिंह (बाहरी जिला), हेडकां0 बंसत सिंह (रेलवे), कां0 जोगेन्द्र सिंह (मध्य जिला) तथा कां0 प्रशांत कुमार (पांचवीं वाहिनी)।

नवम्बर माह में दिवंगत 8 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं :– इंस्पेक्टर किशन चंद (सिब्बन्दी शाखा, पु.मु.,), एसआई राजबीर सिंह (पीएंडएल), एएसआई महाबीर सिंह, एएसआई सतेन्द्र पाल सिंह, एएसआई नरेन्द्र दत्त, कां0 सुरज भान तथा कां0 जसविन्दर सिंह (सुरक्षा) तथा एएसआई जयभगवान (पूर्वी जिला)।

शहीद पुलिसकर्मी के आश्रितों को शहीदी कोष से मिलने वाली सहायता राशि 20 लाख रु से बढ़ाकर 30 लाख रु. हुई

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र संख्या 1351–1500/रिकार्ड ब्रांच/पु.मु. दिनांक 7.10.2019 के अनुसार ड्यूटी के दौरान किसी साहसिक कार्य को अंजाम देते समय शहीद हुए पुलिसकर्मी के आश्रितों को दिल्ली पुलिस शहीदी कोष से मिलने वाली सहायता राशि को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दिया गया है। इसी तरह ड्यूटी के दौरान आकस्मिक मृत्यु का शिकार हुए पुलिसकर्मी के आश्रितों को भी दिल्ली पुलिस शहीदी कोष से मिलने वाली सहायता राशि को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये किया गया है। ***(कृपया दिल्ली पुलिस शहीदी कोष के बारे में अधिक जानकारी के लिए स्थाई आदेश संख्या 421/2018 को पढ़े)।***

30 नवम्बर व 31 दिसम्बर, 2019 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



1986 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री राजेश मलिक विशेष पुलिस आयुक्त (सामान्य प्रशासन) के पद से 30 नवम्बर, 2019 को सेवानिवृत हुए। दिल्ली पुलिस सहित विभिन्न केन्द्र शासित प्रदेशों में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके श्री राजेश मलिक का सबसे लंबा कार्यकाल एस.पी.जी (डी.आई.जी व आई.जी) में रहा। 29 नवम्बर, 2019 की शाम नव-निर्मित पुलिस मुख्यालय स्थित ''विमर्श'' सम्मेलन कक्ष में आयोजित समारोह में पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने उन्हें स्मृति चिन्ह् भेंट कर उनके दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक के विदाई समारोह के मौके पर कई अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

सेवा निवृत्त विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक



एसीपी श्री संजीव गुप्ता (मध्य जिला)



एसीपी श्री हरी राम मलिक



एसीपी श्री बी.पी. शर्मा



एसीपी श्री रविन्दर सोनी



एसीपी श्री आशेराम

209 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रित अनुकंपा के आधार पर पुलिस परिवार में शामिल हुए

दिल्ली पुलिस प्रशासन ने प्रशासनिक स्तर पर निर्णय लेते हुए 209 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर दिल्ली पुलिस में विभिन्न पदों पर भर्ती किया है। इनमें 6 पद हेडकां0 मिनिस्ट्रीयल, 16 पद कांस्टेबल ड्राइवर, 37 पद महिला कांस्टेबल, 145 पद पुरूष कांस्टेबल तथा 5 पद एमटीएस के शामिल हैं।

नव-वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

नव वर्ष-2020 आप सभी पुलिस अधिकारियों/कर्मियों एवं आपके परिजनों के लिए फलदायी, मंगलदायी एवं सुखदायी सिद्ध हो। ईश्वर से कामना है कि नए वर्ष में आप सभी अपने दायित्वों को कुशलता, निपुणता व समपर्णता के साथ निष्पादित करने में तथा पुलिस की प्रतिष्ठा बढ़ाने में सफल हों।



सम्पादक

सम्पादक : श्री राजीव रंजन, आई.पी.एस., उपायुक्त पुलिस (पुलिस आयुक्त के स्टाफ ऑफिसर)
सह-सम्पादक : निरीक्षक सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक